

PVVe Strasti – Aposticha

ΑΚΟΛΟΥΘΙΑ ΤΩΝ ΑΓΙΩΝ ΚΑΙ ΑΧΡΑΝΤΩΝ ΠΑΘΩΝ
ΤΟΥ ΚΥΡΙΟΥ ΗΜΩΝ ΙΗΣΟΥ ΧΡΙΣΤΟΥ
– Α π ό σ τ ι χ α

Πολεμόδωκανιε εἰδίχζ ἡ ἐπέητελνυχζ εἰρῆτέη γὰλ ἡλίσερω ἰῆσα χρίτᾶ
– εἰτήρηρι

8. hlas // plag. 4th echos

Κύριε, αναβαίνοντός σου εν τώ σταυρώ
Ἦδη βάπτεται κάλαμος αποφάσεως

Am 243r (243-4), Dk 229v (452), Ott 264v (532), Trin (~251) – X
G260 (~200) – X, G261 190r (190-1), G262 242r (245), G265 223v (229), G270 (~181) – X

Vi 222v (444-5), Va 111r (111-112),
Sn 1214 189r (190)

Starorus.

Χηλ 55v, S407 176v

Rus. ref.

S409 265v, ... S414 722r

* V staroruských neumoch je uvedená len druhá z oboch stichír. V poreformných prameňoch sú nápevy oboch stichír novšími kompozíciami bez zreteľného vzťahu k pôvodine.

// In Palaiorussian mss. there is only the second stikheron. In the reformed ZR both stikhera are newer compositions with no relation to the original.

Text

Απόστιχα, Δόξα... Ἦχος πλ. δ' // Γάββα, γάββα ἦ:

Κύριε ^{DG} αναβαίνοντός ^h σου εν τῷ σταυρῷ, *G3*
φόβος καὶ τρόμος ^{ya} ἐπέπεσε τῇ Κτίσει, *G3 -a*

καὶ τὴν γῆν ^y μὲν ἐκώλυες, *G2*
καταπιεῖν τοὺς σταυροῦντάς σε, *G3 -a*

τῷ δέ Ἄδῃ ^d ἐπέτρεπες, *G2*
αναπέμπειν τοὺς δεσμίους ^{ya}
εἰς αναγέννησιν βροτῶν. *G3 -a?*

Κριτὰ ζώντων καὶ νεκρῶν, *yG*
ζωὴν ἤλθες παρασχεῖν καὶ οὐ θάνατον, *D2*
φιλόνηρωπε δόξα σοι. *yG3*

Γᾶν, βοεχοδάψιδ τῆ να κῆτῶ,
ετραῖχῶ ἢ τρέπετῶ ναπαδὲ να τβάρῶ,
ἢ земли оубо во зєрнѣхъ εἰῆ
поглоτῆти ρεπннѣиоцихъ τᾶ,
ἄδῶ же повелѣвалъ εἰῆ
ἠспдѣтῆти ἰзникн,
на ѡбновлѣнiе чєловѣкѡвъ,
εἰδῆтє живѣиχῶ ἢ мѣртѡвιχῶ,
жiзнь прншѣлῶ εἰῆ подῆти ἂ не смѣртῶ:
члѣтѣколѡбчє гᾶва тѡбѣ.

Καὶ νῦν... // ἦ ἠβῆῃ

Ἦδη βάπτεται *G2* κάλαμος αποφάσεως, *D2*
παρὰ κριτῶν ἀδίκων, ^{ya}
καὶ Ἰησοῦς δικάζεται, ^{a/c}
καὶ κατακρίνεται σταυρῷ, *G3 -a?*

καὶ πάσχει ἡ Κτίσις, *F2*
εν σταυρῷ καθορώσα *F2* τὸν Κύριον. *yG3*

Ἄλλ' ο φύσει σώματος *G2*
δι' ἐμέ ^{**Ga} πάσχων ἀγαθῆ ^{c/d}
Κύριε δόξα σοι. *G3*

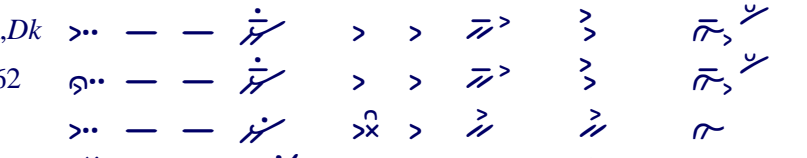
Οὔκὲ ὡμακῆτετῶ τῶρῶτῶ ἠзρεчѣнiѡ,
ѡ εἰδῆῆ не прѣведнѡвιχῶ,
ἰнєз εἰδῆмъ бѡвѣтῶтῶ, ἢ ѡ εἰδῆдῆтῶ на κῆтῶ,
ἢ ετραῖждетῶ τβάρῶ,
на κῆтῶтῶ бiдѡци гᾶ.
но εἰтєтῶтῶмъ тῶблєсѣ,
менѣ рᾶдн ^{**} ετραждᾶй бῆгiнῆ,
гᾶн, гᾶва тѡбѣ.



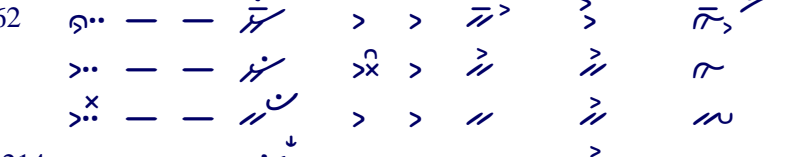
Ott



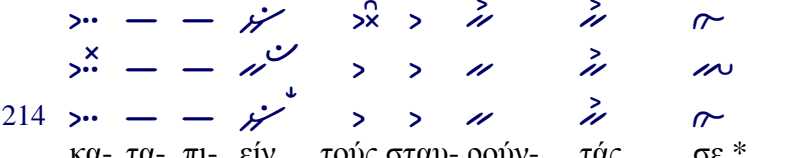
Am,Dk



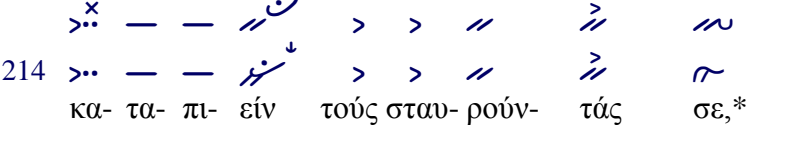
G262



Vi



Va



Sn1214

κα- τα- πι- είν τούς σταυ- ρούν- τάς σε,*



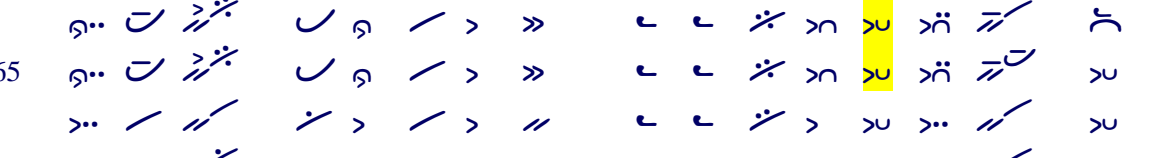
G262



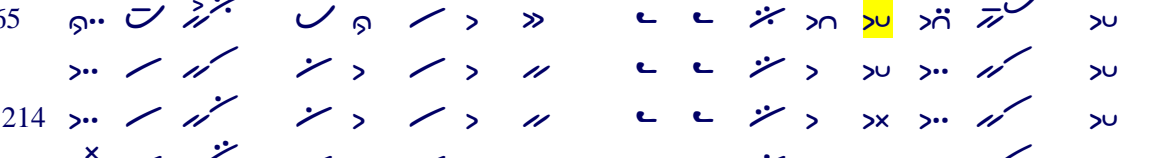
Am



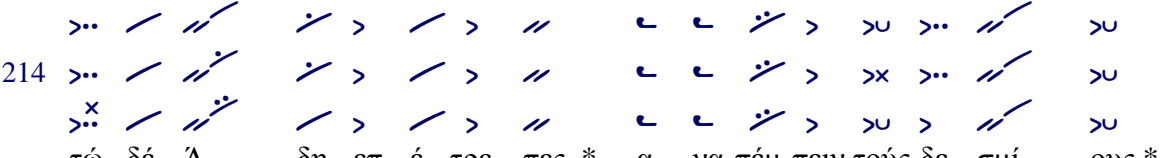
Dk



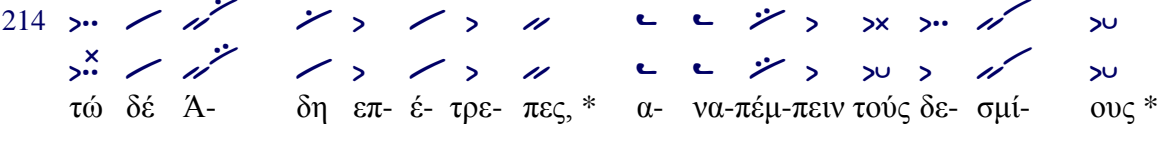
G265



Vi



Sn1214



Va

τώ δέ Α- δη επ- έ- τρε- πες,* α- να-πέμ-πειν τούς δε- σμί- ους*



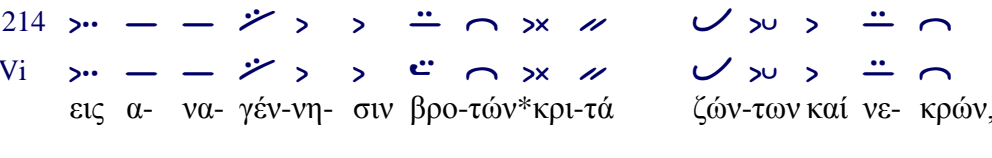
Am



Dk



Sn1214

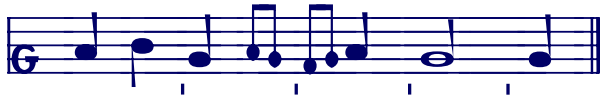


Va,Vi

εις α- να- γέν-νη- σιν βρο-τών*κρι-τά ζών-των και νε- κρών,



Am,Dk	>ñ	≇	∴	>η	>	∪	∴	>∴	—	∪	∴	∴
Ott	>ñ	≇	∴	>η	>	∪	∴	—	—	∪	∴	∴
G261	>ñ	≇	∴	>η	>	∪	∴	—	—	∪	∴	∴
Sn1214	>	≇	∴	>	>	/	∴	—	—	/	∴	∴
Va,Vi	>	≇	∴	>	>	/	∴	>	—	∪	∴	∴
	ζω-	ήν	ήλ-	θες	πα-	ρα-	σχείν*	καί	ου	θά-	να-	τον*



Am,Dk	∴	∪	>η	∴	∴	∴	∴	∴	∴	∴
G261	∴	∪	>η	∴	∴	∴	∴	∴	∴	∴
G265	∴	∪	>η	∴	∴	∴	∴	∴	∴	∴
Ott	∴	∪	>η	∴	∴	∴	∴	∴	∴	∴
Sn1214	∴	/	>	∴	∴	∴	∴	∴	∴	∴
Va,Vi	—	/	>	∴	∴	∴	∴	∴	∴	∴
	φιλ-	άν-	θρω-	πε	δό-	ξα	σοι.			



G265



Am



G262



Dk



Ott



Vi, Va



πα-ρά κρι-τών α-δί-κων*

Pp



S407



ο_ τ'α_ σοφ_ δι_ η_ η_ νε_ πρα_ βδ_ δδ_ ν'δ_ η_ χ'α

S409



ω_ το_ σοφ_ δι_ η_ η_ νε_ πρα_ κε_ δε_ ν'δ_ η_ χ'ο



G262



G265



Dk



Am



Ott



G261



Vi



Va



καί κα- τα- κρί- νε-ται σταυ- ρώ* και πά- σχει η κτί- σις,*

Pp



S40

η ο_ σοφ_ жа_ εε_ ть_ ца_ на_ рас_ па_ ти_ εε_ η_ стра_ же_ ть_ тва_ рь_.

S409



η ω_ σοφ_ жа_ ε_ τε_ ца_ на_ рас_ па_ ти_ ε_ η_ стра_ же_ τε_ тва_ рь_.



Am



Dk



Ott



G261



Va,Vi



εν σταυ- ρώ καθ- ο- ρώ- σα τόν Κύ- ρι- ον.*

Pp



S407



на_ крѣ_ стѣ_ вѣ_ да_ ши_ го_ спо_ да_.

S409



на_ крѣ_ стѣ_ вѣ_ да_ ши_ го_ спо_ да_.



Am,Ott



Dk



Vi



Va



Αλλ' ο φύ-σει σώ-μα- τος * δι' ε- μέ *

Pp



S407



НЪ ИЕ СТЬ СТВЪ МЪ ТЪ ЛА. МЕ НЕ РА ДИ.

S409



НО Ε ΣΤΕ ΣΤΩ ΜЪ ΤЪ ЛА. МЕ НЕ РА ДИ.



Am,Ott



G261



Dk



Va,Vi



πάστων α- γα- θε Κύ-ρι- ε δό- ξα σοι.

Pp



S407



СТРА ЖА БЛА ГЪ И ГО СПО ДИ СЛА БА ТЕ БЪ.

S409



СТРА ЖА ПРЕ БЛА ГЪ И ГО СПО ДИ СЛА БА ТЕ БЪ.